

रेवैरेस्ट - मेरी शिखर यात्रा

भाषा अध्यान :- ① उस पाठ में पथ, कहना
निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या पाठ का
संदर्भ देकर कीजिए -

→ निटारा है - बहुत ध्यान से विस्मय के
साथ देखना,

* लैखिका ने नमचे लोगों पहुँचकर रेवैरेस्ट
पर चढ़ाई करने से पूर्व उसे निटारा,

→ धरातल - नीचे धंस या ढक जाना,

* करफु की भारी चट्टानें जब करफुली
धरातल पर गिरती हैं तो धरातल धरातल
जाता है,

→ छिसकना - छीर - छीर सूखना,

* झौशियरी के बहने से बूफ़ में हल्लान
मच जाती है और बड़ा - बड़ी चट्टानें
छिसकने लगती हैं।

→ सागरमाथा - सागर का माथा अर्थात् रेवैरेस्ट,

* लैखिका को रेवैरेस्ट का दूसरा भोम
सागरमाथा, जो नेपालियों में पसंद है,
पसद आया,

→ जायजा लेना - अनुमान लगाना,

* रेवैरेस्ट ओष्ठियान के समूचे अधिग्रहण द्वारा
में बल लनाकर, रस्सियाँ बांधकर सभी
बड़ी कठिनाइयों का भायना ले लिया था,

→ नौसिहिया - नया सीखते वाला,

* एवरेस्ट की दौड़ी पर चढ़ने वाले पृथग्
त्योका का गौरव पाने वाले तेनजिंग से
लेखिका ने युद्ध को नौस्थितिक्या कहा,
निम्नालिखित एवं पंक्तियों में उचित विराम -
चिह्नों का प्रयोग किजिए।

(1) उन्होंने कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय
लड़की लगती हो! तुम्हें तो शिखर पर
पहले ही प्रयास में पहुंच जाना चाहिए।

(2) "क्या तुम भयभीत हो?"
"तमने कृतनी कड़ी जीखिम क्यों ली है?"
उम्मते कृतनी कड़ी जीखिम क्यों?

(3) निचे द्विर शब्द-युग्मों को वाक्य में लगाए
जिक्र कीजिए :-

(1) हड्डी - मेही - एवरेस्ट की बरफीली दौटियाँ
झाँड़ियाँ करफ़ू की हड्डी - मेही नहीं - सी
लग रही थी,

(ii) गहर-चौड़ा - पहाड़ी शास्त्र में पड़ने वाले
गहर-चौड़ा नाले देखकर मन भयभीत
हो रहा था।

(iii) आसपास - इंगिस्तान में आसपास कोई भी
पैड़ नहीं दिखाई दे रहा था।

(iv) उक्तो - लक्का - अचानक सैना देवार धौर
जाने से आतंकवादी उक्तो - लक्का रह गए
थे।

(iv) हृदय - उद्धर - जंगली शास्त्रे पर उद्धर -

उद्धर दैखकर यालना ,

(v) लैंबे - टौड़े - वह कठुन लैंबे - टौड़े
आदमी *

(vi) विलोम शब्द लिखिए -

* नियमित x अनियमित

* विभूपात x कुरुपात

* आशीषी x अवरीषी

* निश्चित x अनिश्चित

* सुदृढ़ x असुदृढ़, घराब्द

(vii) निम्नलिखित शब्दों में उपयोग के उपर्युक्त लगाइए -

→ वास = आ + वास = आवास

→ व्यवस्थात = अ + व्यवस्थित = अव्यवस्थित

→ कुल = पति + कुल = पतिकुल

→ ग्राम = द्वारा + ग्राम = द्वाराग्राम

→ शोहण = अव + शोहण = अवशोहण

→ शक्षित = सु + शक्षित = सुशक्षित

(viii) निम्नलिखित क्रिया विशेषणों का अधित प्रयोग करते हुए इन स्थानों की पूर्ण कोजिपु -

में अगले दिन यह कार्य कर दुंगा ,

(x) लालू दिशने के कुछ हर बाद ही वर्षा
3 मई ,

उदाहरण -

(३)

उसने बहुत कम समय में उनी तरकी कर

ली,

(४)

नार्कोसा को सुनह तक गाँव जाना था।

Date _____

Page _____